Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा -12

अध्याय - 1

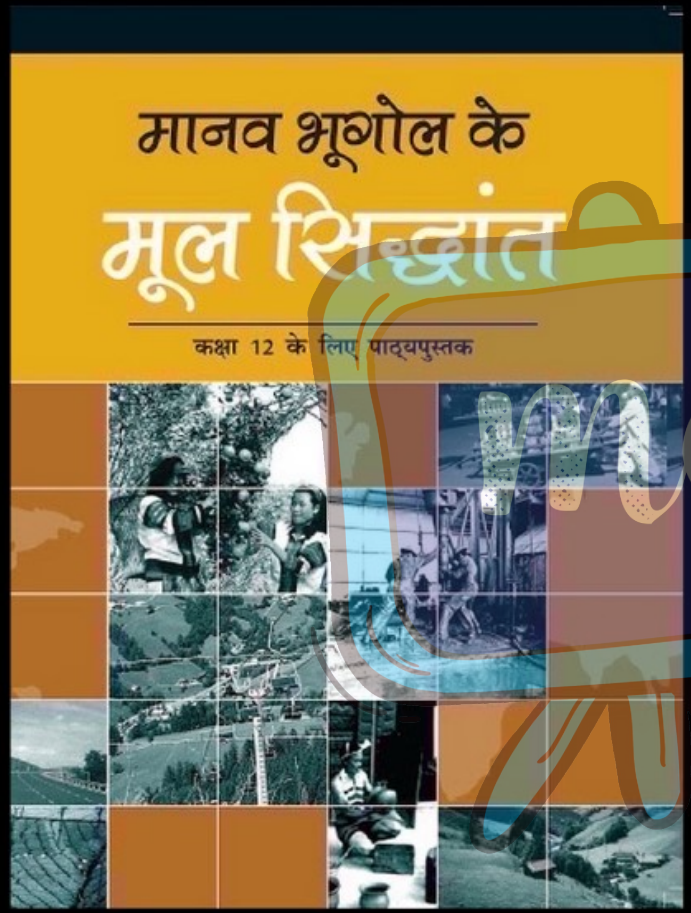
# जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

भाग - 1

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER




## विषय सूची


आमुख v
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन vii

इकाई-1
**अध्याय 1**
मानव भूगोल
प्रकृति एवं विषय क्षेत्र 1-6

इकाई-2
**अध्याय 2**
विश्व जनसंख्या
वितरण, घनत्व और वृद्धि 7-12

**अध्याय 3**
मानव विकास 13-20

इकाई-3
**अध्याय 4**
प्राथमिक क्रियाएँ 21-34

**अध्याय 5**
द्वितीयक क्रियाएँ 35-43

**अध्याय 6**
तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप 44-52

**अध्याय 7**
परिवहन एवं संचार 53-69

**अध्याय 8**
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 70-77

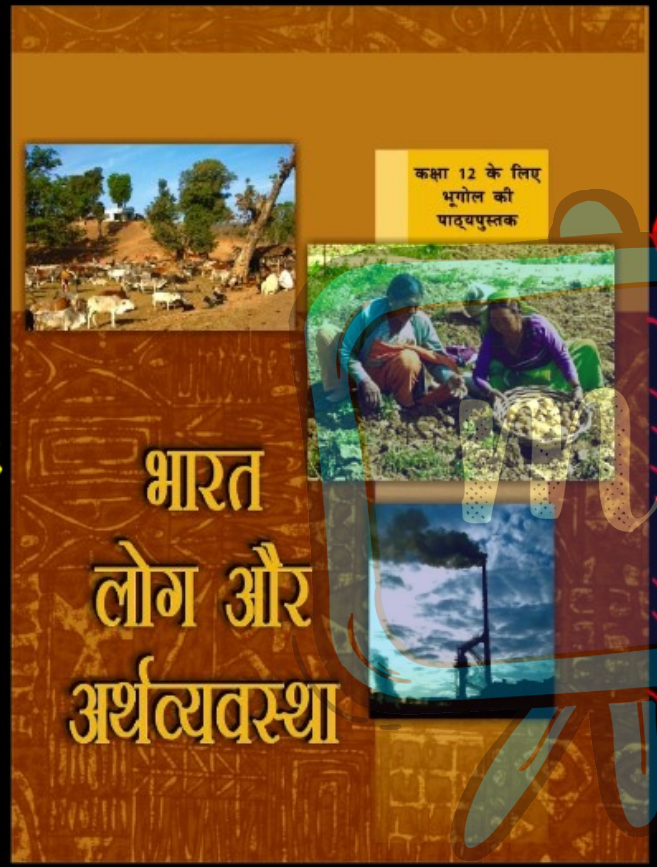
**परिशिष्ट** 78-80
**शब्दावली** 81-84


© NCERT not to be republished

C-3 : जनसंख्या संघटन ✗
C-10 : मानव बस्ती ✗

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




भारत

## विषय-सूची


| | | |
|---|---|---|
| | आमुख | iii |
| | पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन | v |
| | **इकाई I** | |
| 1. | जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन | 1-14 |
| | **इकाई II** | |
| 2. | मानव बस्तियाँ | 15-20 |
| | **इकाई III** | |
| 3. | भूसंसाधन तथा कृषि | 21-40 |
| 4. | जल-संसाधन | 41-52 |
| 5. | खनिज तथा ऊर्जा संसाधन | 53-64 |
| 6. | भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास | 65-73 |
| | **इकाई IV** | |
| 7. | परिवहन तथा संचार | 74-83 |
| 8. | अंतर्राष्ट्रीय व्यापार | 84-92 |
| | **इकाई V** | |
| 9. | भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ | 93-103 |
| | परिशिष्ट | 104-111 |
| | शब्दावली | 112 |
| | संदर्भ पुस्तकें | 113-114 |


© NCERT not to be republished

C-2 : प्रवास - प्रकार, कारण, परिणाम ×

C-3 : मानव विकास ×

C-4 : निर्माण उद्योग ×

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जन + संख्या

लोगों की संख्या



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




- जनसंख्या का अर्थ
- जनसंख्या वितरण
- जनसंख्या घनत्व
- जनसंख्या वृद्धि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



## जनसंख्या का अर्थ :

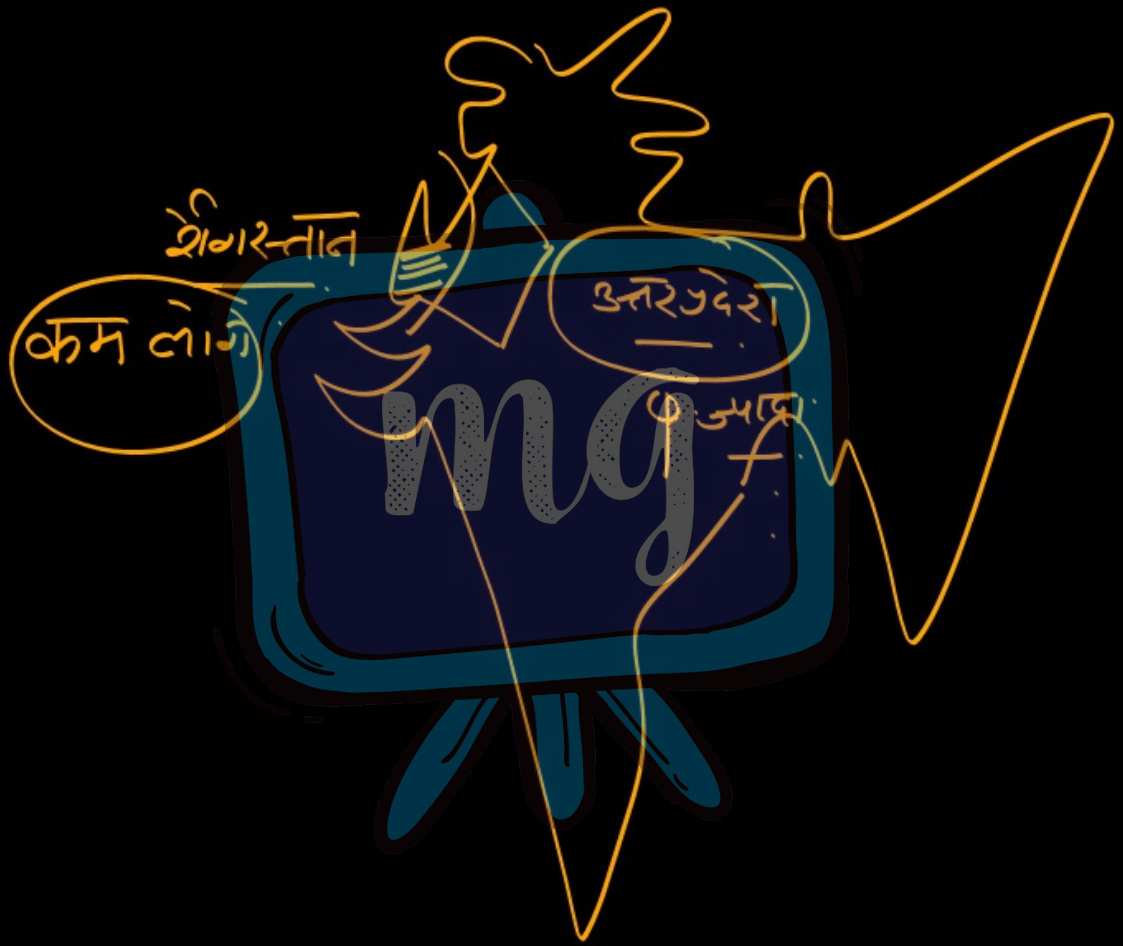
- जनसंख्या (Population) किसी प्रदेश में स्थायी रूप से निवास करने वाले व्यक्तियों की संख्या।

## जनसंख्या वितरण :

- पृथ्वी तल पर जनसंख्या का स्थानिक फैलाव जनसंख्या वितरण कहलाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



3 जनसंख्या घनत्वः

इकाई क्षेत्र में निवास करने वाली जनसंख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

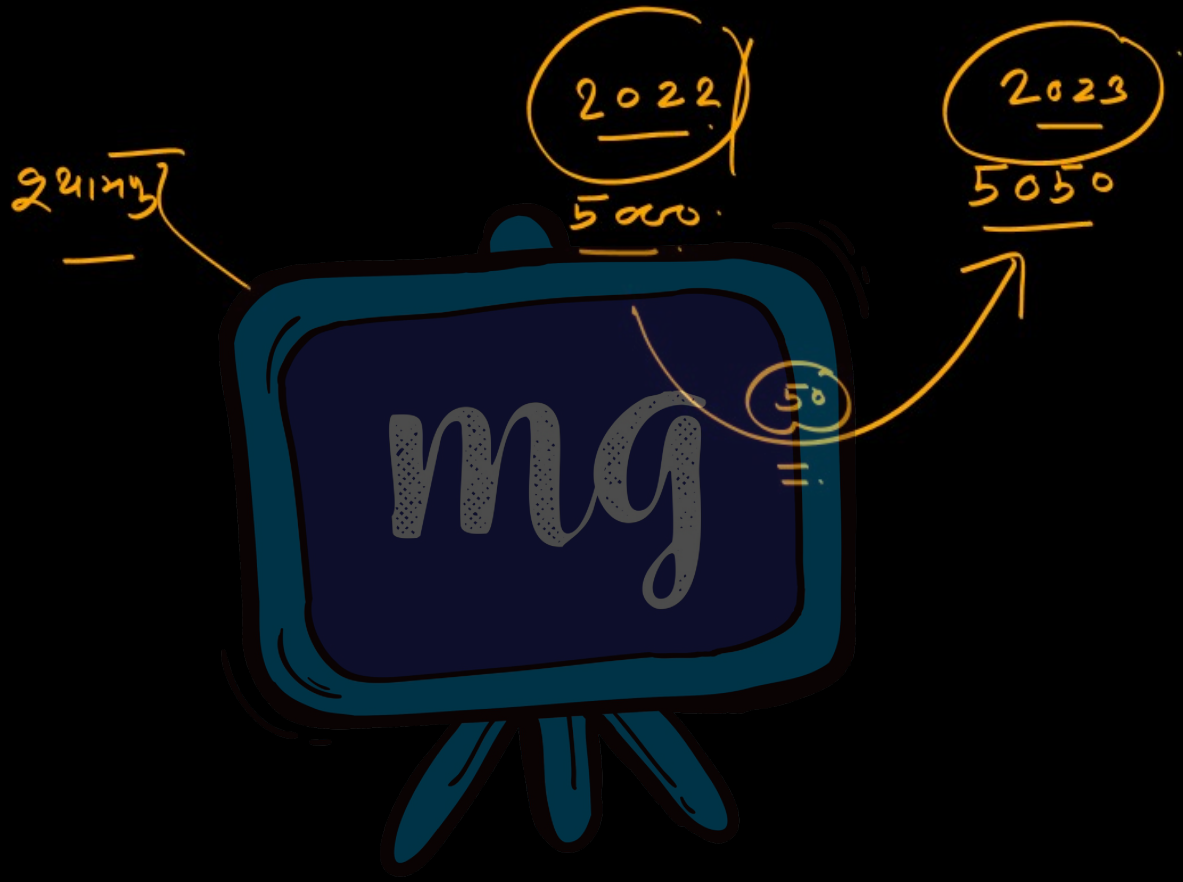
$$\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$$

5 जनसंख्या वृद्धिः

किसी भौगोलिक क्षेत्र की जनसंख्या के आकार में एक निश्चित समय में होने वाले परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहा जाता है।

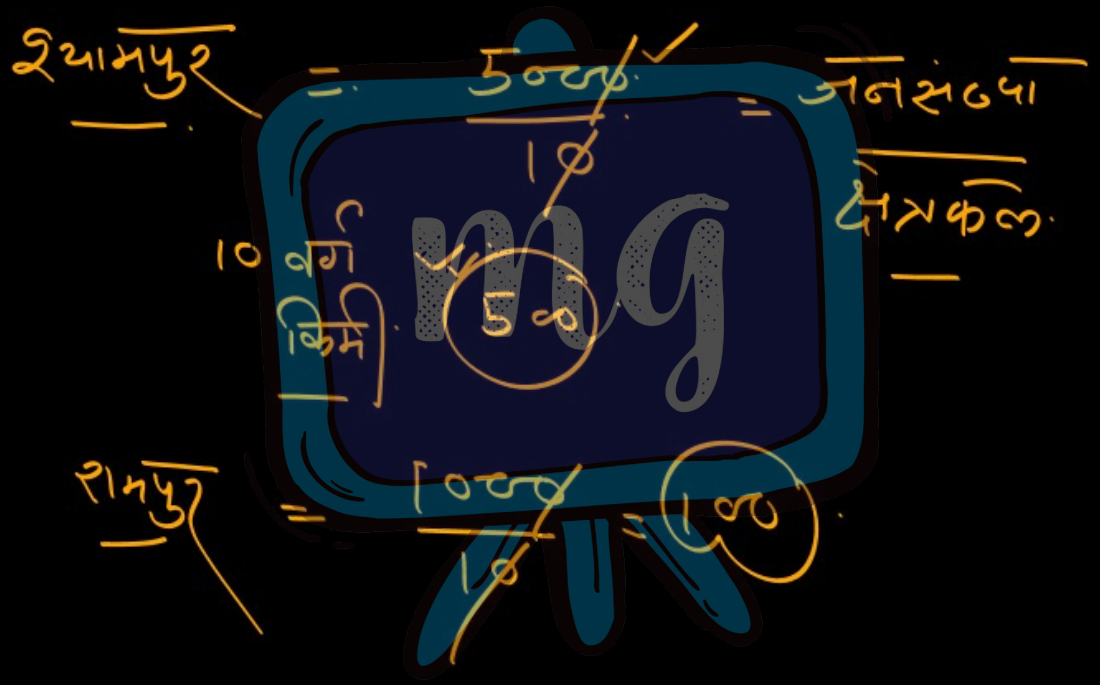
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



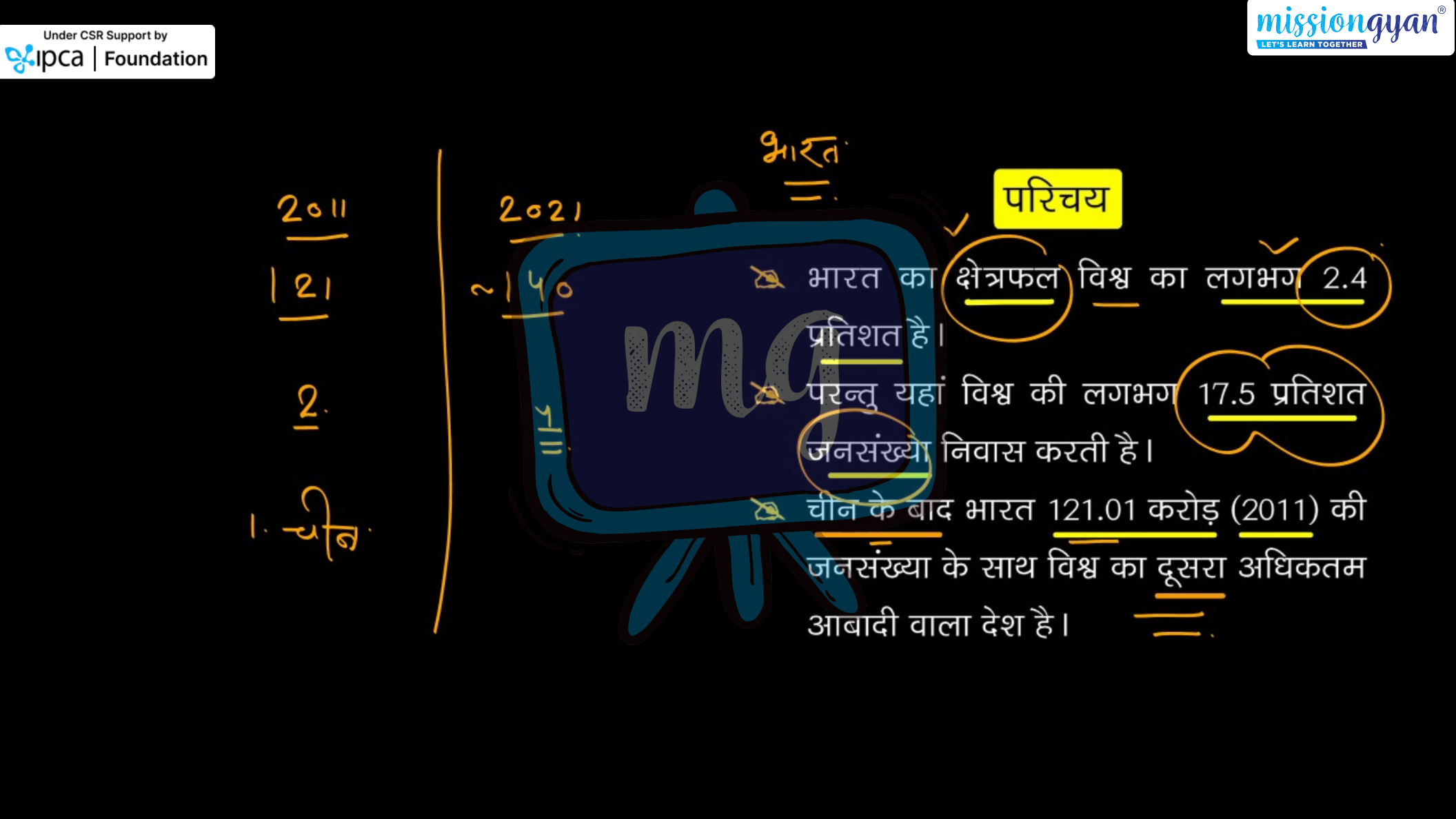
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



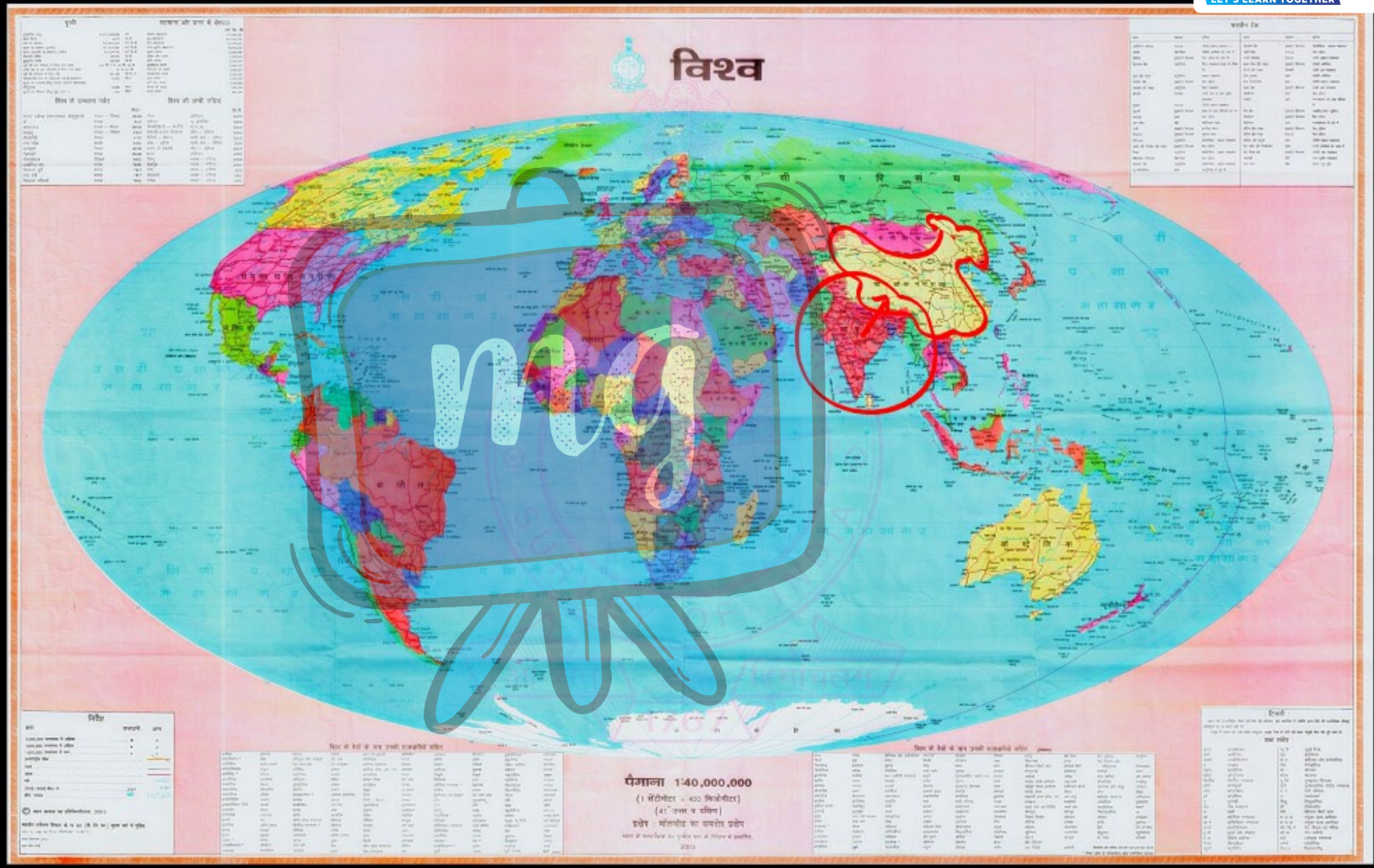
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

:- लॉर्ड मेयो

1881 :- लॉर्ड रिपन

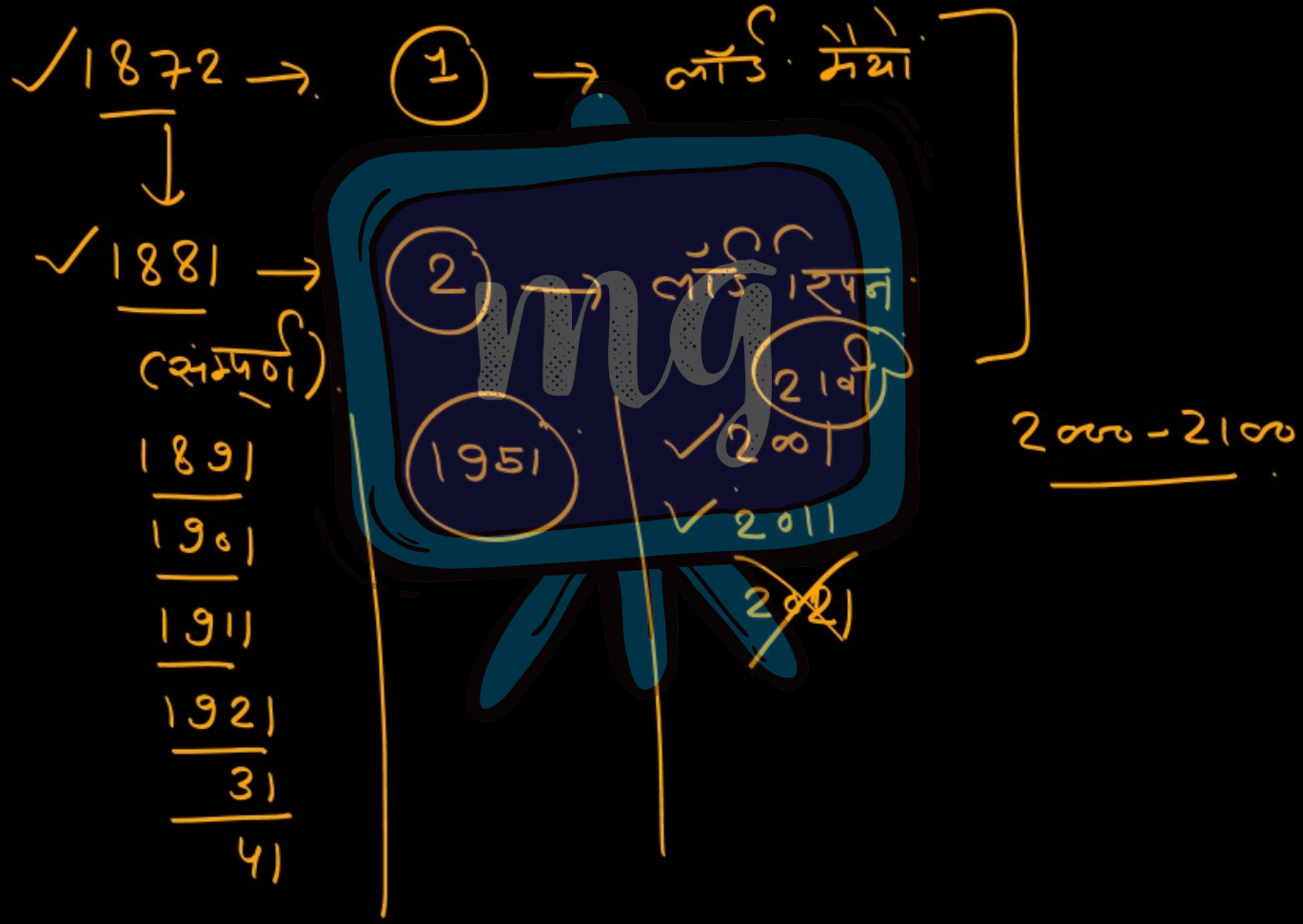



## जनगणना (Census) → 10

- समय-समय पर जनसंख्या की गणना की जाती है। भारत में प्रति 10 वर्षों पर जनगणना होती है।
- भारत की पहली जनगणना 1872 में हुई थी जो कि अपूर्ण थी परन्तु पूर्ण रूप से 1881 में हुई जो अभी भी प्रति 10 वर्षों के अन्तराल में होती जा रही है।
- भारत में जनगणना भारत सरकार के गृह मंत्रालय के जनगणना विभाग द्वारा करवायी जाती है।
- पिछली जनगणना 2011 में हुई थी उसके बाद 2021 में होनी चाहिए थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

U.P.
M.H.
BR
WB
A.P.
TN
M.P.
RJ
KR
GJ

→ 70%

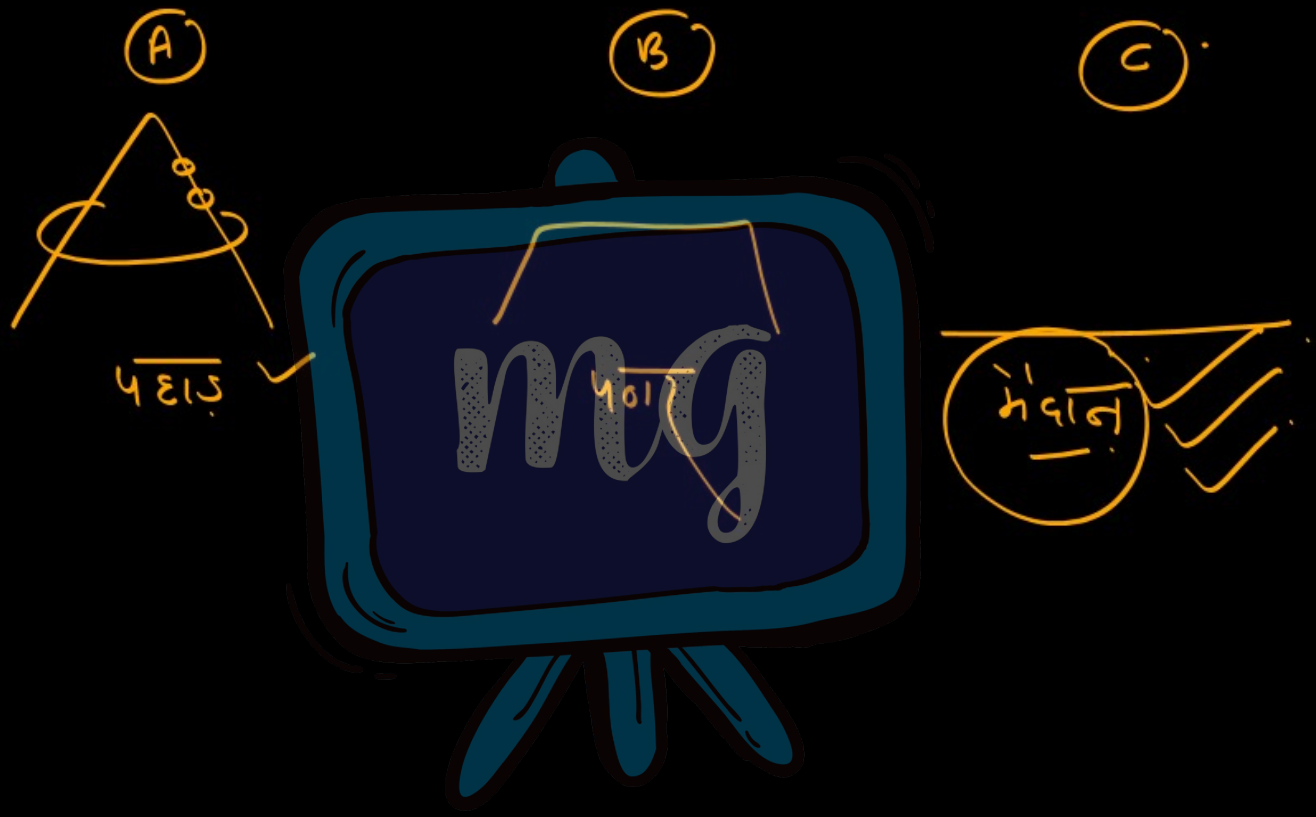
J&K
Ar. P.
U.K.

## जनसंख्या वितरण

- किसी भी देश में जनसंख्या का वितरण वहां के भौगोलिक कारकों पर निर्भर करता है।
- सामान्य रूप से मानवीय संसाधनों को जीविका चलाने के लिए रोजगार के साधनों की आवश्यकता होती है।
- यही कारण है कि समतल मैदान सघन बसे हुए क्षेत्र हैं जो अन्य पठारी एव पहाड़ी क्षेत्रों की तुलना में अधिक जनसंख्या को आकर्षित करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

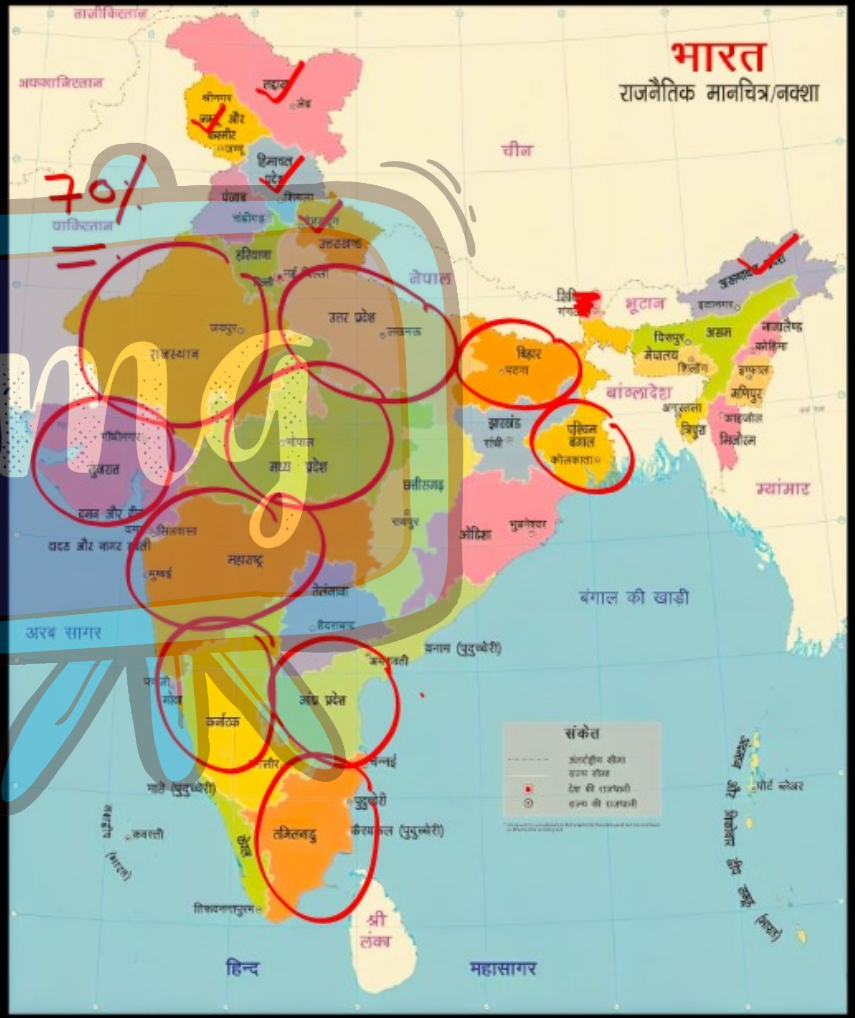


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तरप्रदेश

सिक्किम



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तरी - मैदान

डेल्टा व तटीय मैदान

हिमालयी राज्य

उत्तर - पूर्वी भारत

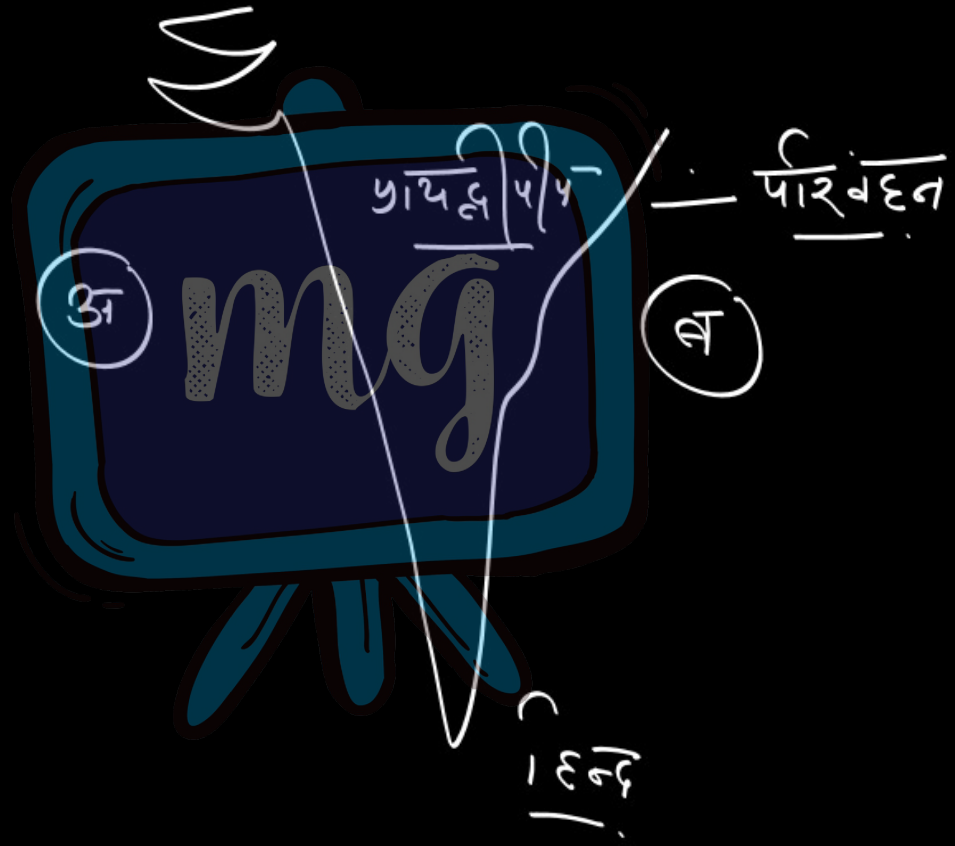
## जनसंख्या का वितरण

- किसी भी स्थान की जनसंख्या का स्थानिक वितरण, उस क्षेत्र की भौतिक, सामाजिक, आर्थिक, ऐतिहासिक कारकों पर निर्भर करता है।
- भू-विन्यास, जलवायु, जल की उपलब्धता एवं प्राकृतिक संसाधन आदि कारक पुरातन काल से ही जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करते हैं।

फिर भी, सिंचाई के विकास (राजस्थान), खनिज एवं ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता (झारखंड) और परिवहन जाल के विकास (प्रायद्वीपीय राज्यों) के परिणामस्वरूप उन क्षेत्रों में जो पहले विरल जनसंख्या क्षेत्र थे वे अब जनसंख्या के मध्यम् से उच्च संकेन्द्रण के क्षेत्र हो गए हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

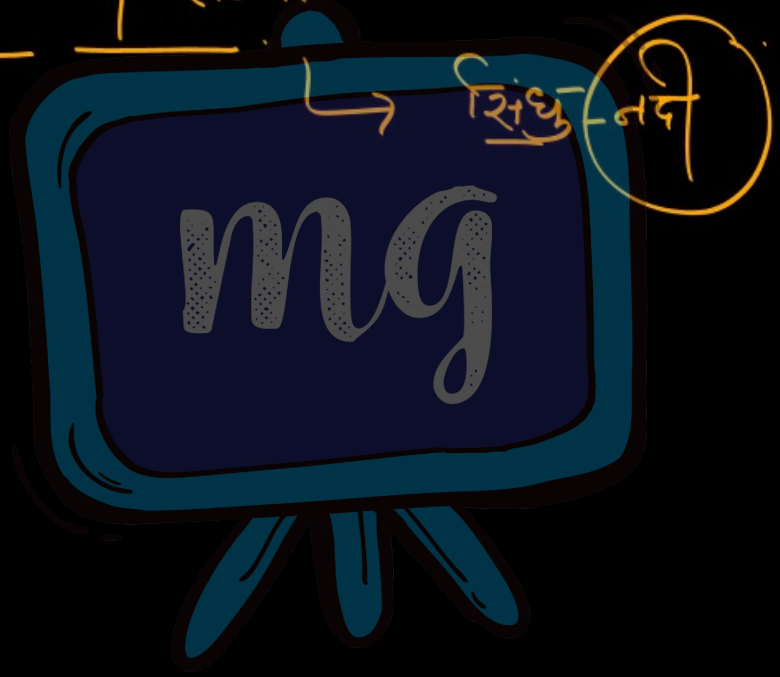
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

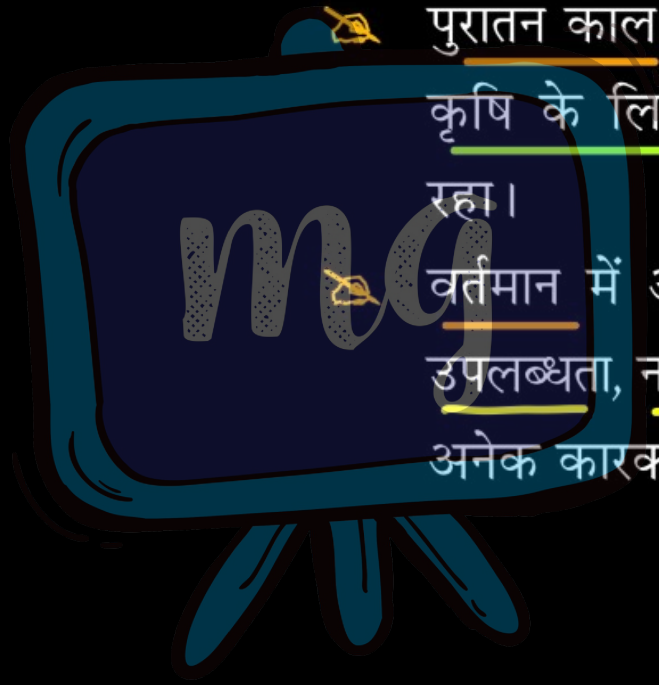
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# सिंधु-घाटी सभ्यता



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- पुरातन काल में कृषि ही मुख्य पेशा था अत: कृषि के लिए अनुकूलता ही मुख्य: कारक रहा।
- वर्तमान में औद्योगिक विकास, खनिजों की उपलब्धता, नगरीकरण, रोजगार, यातायात आदि अनेक कारक भी मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## जनसंख्या घनत्वः

- इकाई क्षेत्र में निवास करने वाली जनंसख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

$$\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$$

भारत का जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर है। (428)

न्यूनतम - अरुणाचल प्रदेश - 17

अधिकतम - दिल्ली - 11297

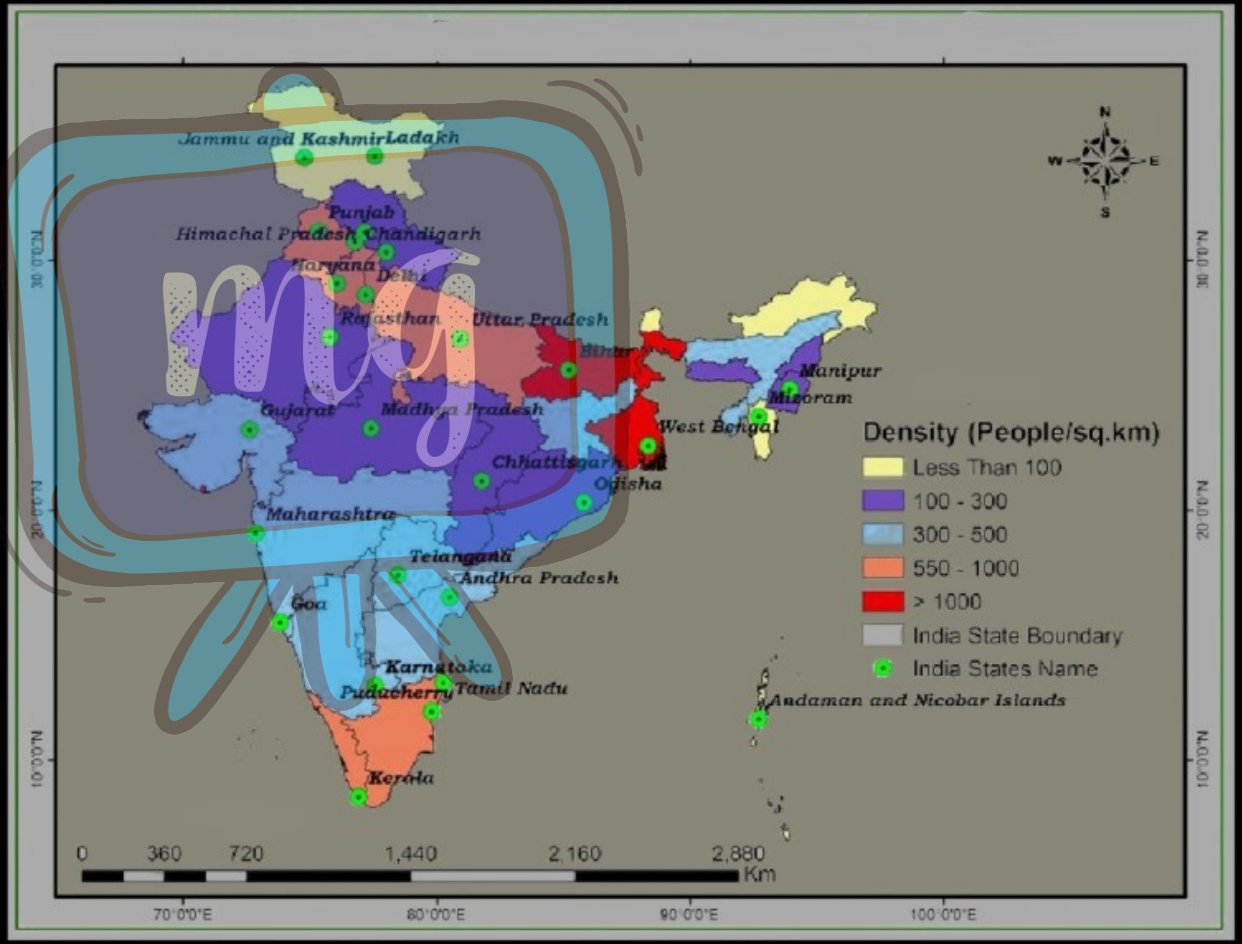
बिहार - 1102

पश्चिम बंगाल - 1029

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# ભારત : જનસંખ્યા ઘનત્વ (રાજ્યવાર)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



$$\text{कायिक घनत्व} = \frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{निवल कृषित क्षेत्र}}$$

$$\text{कृषीय घनत्व} = \frac{\text{कुल कृषि जनसख्या}}{\text{निवल कृषित क्षेत्र}}$$

Under CSR Support by
ipca | Foundation

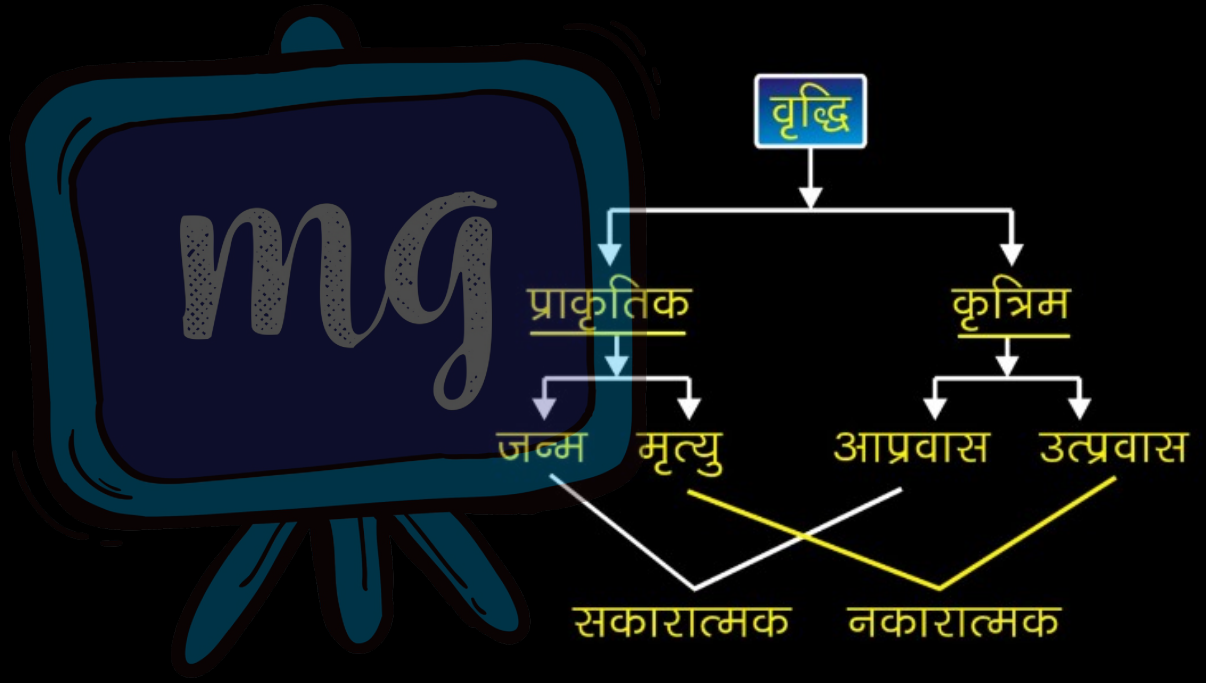
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## जनसंख्या वृद्धिः

- किसी भौगोलिक क्षेत्र की जनसंख्या के आकार में एक निश्चित समय में होने वाले परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहा जाता है।
  इसे प्रतिशत में व्यक्त करते हैं।
- भारत की जनसंख्या वार्षिक वृद्धिदर (2011) 1.64% है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# भारत : दशकीय वृद्धि दर

| जनगणना वर्ष | कुल जनसंख्या | वृद्धि दर* | |
|---|---|---|---|
| | | निरपेक्ष संख्या | वृद्धि का % |
| 1901 | 238396327 | ---------- | ---------- |
| 1911 | 252093390 | (+) 13697063 | (+) 5.75 |
| 1921 | 251321213 | (-) 772117 | (-) 0.31 |
| 1931 | 278977238 | (+) 27656025 | (+) 11.60 |
| 1941 | 318660580 | (+) 39683342 | (+) 14.22 |
| 1951 | 361088090 | (+) 42420485 | (+) 13.31 |
| 1961 | 439234771 | (+) 77682873 | (+) 21.51 |
| 1971 | 548159652 | (+) 108924881 | (+) 24.80 |
| 1981 | 683329097 | (+) 135169445 | (+) 24.66 |
| 1991 | 846302688 | (+) 162973591 | (+) 23.85 |
| 2001 | 1028610328 | (+) 182307640 | (+) 21.54 |
| 2011** | 1210193422 | (+) 181583094 | (+) 17.64 |

* दशकीय वृद्धि दर: $g = \frac{P_2 - P_1}{P_1} \times 100$

जहाँ $P_1$ = आधार वर्ष की जनसंख्या, $P_2$ = वर्तमान वर्ष की जनसंख्या

** स्रोत: भारत की जनगणना, 2011 (अंतरिम)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत की जनसंख्या वृद्धि को चार भागों में बाँटा जा सकता है

प्रावस्था क

1. रुद्ध प्रावस्था का काल (1901–1921)

'ख'

2. स्थिर प्रावस्था का काल (1921–1951)

'ग'

3. विस्फोट की अवधि का काल (1951–1981)

'घ'

4. घटते प्रजनन दर का काल (1981 से वर्तमान)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## क रुद्ध प्रावस्था काल (1901–1921)

- जन्मदर उच्च
- मृत्यु दर उच्च 1.1% की वृद्धि दर
- स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएँ निम्न
- निरक्षरता, भोजन की कमी, आधारभूत सुविधाओं की कमी
- 1921 में ऋणात्मक वृद्धि – अकाल, अन्न की कमी, महामारी, प्रथम विश्व युद्ध

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## स्थिर प्रावस्था काल (1921–1951)

- जन्म दर उच्च
- मृत्यु दर उच्च परन्तु गिरती हुई
- 2.2% वृद्धि दर
- स्वास्थ्य में सुधार
- स्वतंत्रता व विभाजन के कारण
- पाकिस्तान की जनसंख्या अलग हो गई

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## ग विस्फोट की अवधि काल (1951–1981)

- जन्म दर उच्च
- मृत्यु दर में भारी गिरावट
- 2.5% की वृद्धि दर
- तिब्बत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल से आप्रवास
- चहुँमुखी विकास, जीवन दशाओं में सुधार, हरितक्रांति का आगाज, चिकित्सीय सुविधाओं का फैलाव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

## घ = घटते प्रजनन दर का काल (1981 से वर्तमान)

- जन्म दर घटती हुई
- मृत्यु दर में भारी गिरावट
- 2% से कम वृद्धि दर
- 2011 में 1.7%
- विकास, खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर, पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति
- आर्थिक सुधारों का असर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

किशोर → 52.7 %

किशोरियां → 47.3 %

किशोर जनसंख्या, यद्यपि उच्च संभावनाओं से युक्त युवा जनसंख्या समझी जाती है, यदि उन्हें समुचित ढंग से मार्गदर्शित और दिशा निर्देशित न किया जाए तो वे काफ़ी सुभेद्य (Vulnerable) भी होते हैं।

## किशोर जनसंख्या

- 10 से 19 वर्ष तक के व्यक्ति लगभग 21% (2011)

### किशोर जनसंख्या की चुनौतियाँ

- निरक्षरता, विवाह की आयु, स्कूल ड्रॉपआउट स्त्री शिक्षा, पोषक तत्वों का अभाव, शारीरिक व मानसिक अपंगता, ड्रग सेवन आदि
- राष्ट्रीय युवा नीति (2014)
- कौशल विकास एवं उद्यमिता के लिए नीति (2015)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# राष्ट्रीय युवा नीति (2014)

राष्ट्रीय युवा नीति (NYP-2014) फ़रवरी 2014 में आरंभ की गई है जो भारत के युवाओं के लिए एक समग्र दूरदर्शी प्रस्ताव रखती है। "देश के युवाओं को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाना और उनके द्वारा भारत को राष्ट्रों के समूह में अपना उचित स्थान प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।" राष्ट्रीय युवा नीति 2014, 15-29 वर्ष के आयु समूह के व्यक्ति को 'युवा' के रूप में परिभाषित करती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

# कौशल विकास एवं उद्यमिता के लिए नीति (2015)

भारत सरकार ने 2015 में कौशल विकास तथा उद्यमिता के लिए नीति बनाई है, जिसका उद्देश्य देश भर में हो रही कौशल से संबंधित गतिविधियों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करना है, साथ ही साथ इन सभी गतिविधियों को एक मानक के साथ बाँधना तथा विभिन्न कौशलों को इनके भाग-केंद्रों के साथ जोड़ना है।